विकास स्वयं सहायता समूह परतीबाजार की सफलता की कहानी

भगवावन बुद्ध की नगरी जनपद सिद्धार्थनगर विकास खण्ड उसकाबाजार में विकास खण्ड से पूरब 0.5 किमी की दूरी पर परतीबाजार ग्राम पंचायत स्थित है । इस ग्राम पंचायत से 10 निर्धन परिवारों ने मिलकर स्वर्ण जयन्ती ग्राम स्वरोजगार योजना एक समूह का गठन दिनांक 25-12-01 को किया गया समूह में सभी महिला सदस्य हैं जिसमें 9 सदस्य अनुसूचित जाति से तथा एक सदस्य पिछड़ी जाति से सम्बन्धित है । सेवा क्षेत्र के बैंक भारतीय स्टेट बैंक उसकाबाजार में समूह के नाम से एक खाता खोला गया जिसमें प्रति सदस्य रूपये 20-00 अंशदान के रूप में जमा किया गया तथा बैठक प्रत्येक माह की 10 तारीख को करते हैं । समूह सदस्यों द्वारा 2 वर्ष तक अपनी बचत से आपसी लेन-देन करते रहे दिनांक 4-2-04 को समूह की प्रथम ग्रेडिंग हुई जिसमें समूह को 90 प्रतिशत अंक प्रदान की गयी, प्रथम ग्रेडिंग के उपरान्त विकास खण्ड से रूपये 10000= विवाल्विंग फण्ड एवं 15000=00 रूपये बैंक से कूल 25000=00 रूपये कैश क्रेडिट लिमिट स्वीकृत किया गया इस पैसे को आपस में बाटकर सिलाई का कार्य आरम्भ किया गया तथा 2 प्रतिशत मासिक ब्याज सदस्यो से वूसूल किया गया । दिनांक 11-2-06 को समूह की द्वितीय ग्रेडिंग की गयी समूह द्वारा 86 प्रतिशत अंक प्राप्त किया गया तद्उपरान्त मच्छरदानी सिलाई उद्योग हेतु ऋण पत्रावली तैयार कर भारतीय स्टेट बैंक उसकाबाजार को पेषित की गयी,, बैंक द्वारा समस्त औपचारिकताए पूर्ण कराकर समूह को 250000=0 ऋण स्वीकृत करके भुगतान किया गया जिसमें एक लाख रूपये अनुदान के रूप में विकास खण्ड से अनुदान की धनराशि उपलब्ध कराया गया । ऋण वितरण कार्य माह दिसम्बर 2006 में किया गया । ऋण मिलने के बाद समूह द्वारा परिसम्पतिया सृजित की गयी । तथा सिलाई का कार्य आरम्भ किया गया जिससे समूह की आमदनी बढ़कर इस समय 25000-00 रूपये मासिक हो गयी है । इसके पहले समूह के सभी सदस्यों की आर्थिक स्थिति खराब थी । खण्ड विकास अधिकारी उसकाबाजार के सतत् प्रभावी मार्ग निर्देशन में यह समूह निरन्तर सफलता के अगले प्रक्रम पर आगे ही बढ़ता जा रहा है । समय-समय पर आनी वाली आर्थिक एवं समाजिक तथा आपसी कठिनाइयों को अति सुरूचि पूर्ण ढंग से खण्ड विकास अधिकारी द्वारा निस्तारित किये जाने से ग्रामीण महिलाओं में निरन्तर उत्साह का संचार हो रहा है । सहायक विकास अधिकारी आई0एस0बी द्वारा विपणन सम्बन्धी कार्यों में काफी सूझ-बूझ के साथ दिया गया सुझाव समूह के लिए निरन्तर वरदान साबित हो रहा है । सामूहिक प्रयास से सफलता का यह एक छोटा उदाहरण है जिसे देखकर अन्य ग्रामीण परिवार भी स्वर्ण जयन्ती ग्राम स्वरोजगार योजना की ओर आकर्षित हो रहे है । वर्तमान समय में समूह के सदस्यों द्वारा प्रति माह प्रति सदस्य द्वारा रूपये 2000-00 से अधिक की आमदनी कर रहा है। इस प्रकार आर्थिक स्थिति में सुधार हो जाने के कारण इनका जीवन स्तर भी ठीक हो गया है इनके बच्चे स्कूल भी जाना है प्रारम्भ कर दिये हैं ।

इस प्रकार यह दृष्टिगत है कि स्वर्ण जयन्ती ग्राम स्वरोजगार योजाना गरीबी उन्मूलन में वरदान साबित हो रही है ।

SGSY अन्तर्गत स्वंय सहायता समूह - परतीबाजार
प्र०ख०- उस्काबाजार

महा लक्ष्मी स्वयं सहायता समूह परसाखुर्द के सफलता की कहानी
=== ========================

भगवान बुद्ध की पावन नगरी जनपद सिद्धार्थनगर विकास खण्ड उसका-बाजार में सोहास रोड पर विकास खण्ड से 2 किमी0 की दूरी पर ग्राम पंचायत परसा खुर्द स्थित है। इस ग्राम पंचायत की कुल जनसंख्या 1335 है, जिसमें 21 अनुसूचित जाति, 114 पिछड़ी जाति, तथा 77 अन्य जातियाँ निवास करती हैं। इस ग्राम से गरीबी रेखा नीचे जीवन यापन करने वाले 12 परिवार एक साथ मिलकर स्वर्ण जयन्ती ग्राम स्वरोजगार योजना अन्तर्गत महिला समूह गठन करने का निर्णय लिया, जिसका गठन दिनांक 20-7-02 को सिलाई उद्योग में कार्य करने के उद्देश्य से किया गया, यह ग्राम पंचायत भारतीय स्टेट बैंक उसकाबाजार के क्षेत्रान्तर्गत पड़ता है, जिसमें समूह द्वारा रूपये 20-00 प्रति सदस्य सदस्यता शुल्क के साथ कुल 240=रूपये की धनराशि से दिनांक 1-08-2002 से खाता खोलकर समूह संचालन की कार्य-वाही प्रारम्भ की गयी। समूह द्वारा नियमित माह की 10 तारीख को बैठक करते हुए सफलता पूर्वक 06 माह तक अपनी सदस्यता शुल्क की धनराशि से आपसी लेन-देन करती रही, तद्उपरान्त दिनांक 21-2-03 को समूह का प्रथम मानकीकरण का कार्य पूर्ण किया गया, मानकीकरण में समूह को कुल 85 प्रतिशत अंक प्राप्त हुए, तद्उपरान्त विकास खण्ड द्वारा रूपये 10000=00 रिवाल्विंग फण्ड की धनराशि शाखा प्रबन्धक को उपलब्ध कराया गया जिसके सापेक्ष शाखा प्रबन्धक द्वारा रूपये 10000-00 + 15000=00 अर्थात कुल रूपये 25000=00 से समूह को कैश क्रेडिट लिमिट स्वीकृत किया गया, प्राप्त धनराशि से समूह द्वारा सिलाई का कार्य प्रारम्भ किया गया। इस प्रकार समूह द्वारा सफलता पूर्वक कार्य संचालन के उपरान्त दिनांक 23-03-04 को द्वितीय मानकीकरण किया गया, जिसमे समूह को कुल 79 प्रतिशत अंक प्राप्त हुआ, जो श्रेणी में "ए" स्थान प्राप्त हुआ। तद्उपरान्त विकास खण्ड से वित्त पोषण के लिए बैंक शाखा को ऋण पत्रावली एवं अनुदान की धनराशि 120000=00 रूपये उपलब्ध कराया गया, जिसके सापेक्ष बैंक द्वारा ऋण प्रक्रिया को पूर्ण करते हुए सिलाई उद्योग में रूपये 240000-00 स्वीकृत करते हुए मार्च 2005 में ऋण वितरण कार्य पूर्ण किया गया। तद्उपरान्त समूह द्वारा सिलाई उद्योग के लिए मशीन एवं कपड़ा क्रय करके सिलाई कार्य प्रारम्भ किया गया। जिससे समूह की मासिक आमदनी बढ़कर 28000=00 रूपये हो गयी है, इससे पूर्व समूह के सदस्यों की आर्थिक स्थिति अत्यन्त ही दयनीय थी, तथा इनके पास आमदनी का अन्य श्रोत भी नहीं था, सभी सदस्य मजदूरी पर निर्भर थीं। खण्ड विकास अधिकारी के सतत प्रभावी मार्ग निर्देशन में समूह कार्य करते हुए उन्नति की ओर अग्रसर है तथा इस योजना की प्रगति देखते हुए अन्य ग्रामीण परिवार भी समूह गठन कार्य करके अपनी आर्थिक स्थिति को सुधारने में प्रयत्नशील हैं, जिसमें सहायक विकास अधिकारी (आई0एस0बी0) द्वारा जी तोड़ मेहनत किया जा रहा है,

इस प्रकार स्वर्ण जयन्ती ग्राम स्वरोजगार योजना गरीब परिवारों के लिए वरदान साबित हो रही है।

खण्ड विकास अधिकारी,
उसकाबाजार-सिद्धार्थनगर।

SGSY अन्तर्गत महालक्ष्मी स्वयं सहायता समूह
ग्राम- परसा खुर्द
वि०ख०- उसका बाजार